लोकनायक भारत
नई दिल्ली संस्करण वर्ष-01, अंक - 43 बुधवार, 15 दिसंबर 2021 | पृष्ठ 12 | मूल्य 3 रु*

दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता प्रशिक्षण में गेहूं उत्पादन की नई तकनीकों एवं प्रजातियां पर डाला प्रकाश

कानपुर। सीएसए के प्रसार निदेशालय में दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा निर्देशों के अनुपालन में फसल उत्पादन, मृदा विज्ञान एवं कृषि अभियंत्रण के वैज्ञानिकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कराया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में ज्ञान और निर्णय लेने की क्षमता यह अवधारित करती है कि किस प्रकार मृदा, जल और पूंजी का उपयोग किया जाए। किसानों को नवीन तकनीकी देने एवं तकनीकों का प्रसार करने में कृषि वैज्ञानिकों की महती भूमिका है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषको की समस्याओं का पता लगाने और उनका विश्लेषण करने तथा उनकी आय बढ़ाने हेतु कराया जा रहा है।साथ ही आर्थिक और व्यवहारिक शोध की जानकारी इत्यादि है। इस कार्यक्रम में 13 कृषि विज्ञान केंद्रों के 26 वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण प्राप्त की किया। इस प्रशिक्षण में गेहूं वैज्ञानिक डॉ सोमवीर सिंह ने गेहूं उत्पादन की नवीन तकनीकों एवं प्रजातियां पर प्रकाश डाला। डॉ महक सिंह ने तिलहनी फसलों की तकनीकी पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ वीके वर्मा ने खरपतवार प्रबंधन एवं आईआईपीआर के वैज्ञानिक डॉक्टर नरेंद्र कुमार ने दलहन उत्पादन में नई प्रजातियों का योगदान विषयक जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षण समन्वयक डा एस बी पाल ने कियाम धन्यवाद डॉक्टर पीके राठी ने किया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 13 अंक: 164 कानपुर, बुधवार 15 दिसम्बर, 2021 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

कानपुर • बुधवार 15 दिसम्बर 2021 3

दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता प्रशिक्षण में गेहूं उत्पादन की नई तकनीकों एवं प्रजातियां पर डाला प्रकाश

कानपुर। सीएसए के प्रसार निदेशालय में दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा निर्देशों के अनुपालन में फसल उत्पादन, मृदा विज्ञान एवं कृषि अभियंत्रण के वैज्ञानिकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कराया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में ज्ञान और निर्णय लेने की क्षमता यह अवधारित करती है कि किस प्रकार मृदा, जल और पूंजी का उपयोग किया जाए। किसानों को नवीन तकनीकी देने एवं तकनीकों का प्रसार करने में कृषि वैज्ञानिकों की महती भूमिका है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषको की समस्याओं का पता लगाने और उनका विश्लेषण करने तथा उनकी आय बढ़ाने हेतु कराया जा रहा है।साथ ही आर्थिक और व्यवहारिक शोध की जानकारी इत्यादि है। इस कार्यक्रम में 13 कृषि विज्ञान केंद्रों के

26 वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण प्राप्त की किया। इस प्रशिक्षण में गेहूं वैज्ञानिक डॉ सोमवीर सिंह ने गेहूं उत्पादन की नवीन तकनीकों एवं प्रजातियां पर प्रकाश डाला। डॉ महक सिंह ने तिलहनी फसलों की तकनीकी पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ वीके वर्मा ने खरपतवार प्रबंधन एवं आईआईपीआर के वैज्ञानिक डॉक्टर नरेंद्र कुमार ने दलहन उत्पादन में नई प्रजातियों का योगदान विषयक जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षण समन्वयक डा एस बी पाल ने कियाम धन्यवाद डॉक्टर पीके राठी ने किया। इस अवसर पर डॉ सुभाष चंद्रा, डॉक्टर धनंजय सिंह, डॉक्टर अनिल कुमार सिंह,डॉ एस एल वर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

कानपुर • बुधवार • 15 दिसंबर 2021 • 08

संक्षेप | हिंदुस्तान

वैज्ञानिक नई तकनीक किसानों तक पहुंचाएं

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में मंगलवार को दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उद्घाटन प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने किया। कहा, किसानों की समस्या का हल तलाशना, नई तकनीक और प्रजाति को किसानों तक पहुंचाना भी वैज्ञानिकों का कार्य है। कार्यक्रम में 13 कृषि विज्ञान केंद्रों के 26 वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। गेहूं वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर सिंह ने गेहूं उत्पादन की नई तकनीकों व प्रजातियां के बारे में जानकारी दी। डॉ. महक सिंह ने तिलहनी फसलों की नई प्रजातियों के बारे में बताया। डॉ. एसबी पाल, डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. धनंजय सिंह, डॉ. पीके राठी, डॉ. अनिल कुमार सिंह रहे।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर ● बुधवार ● 15 दिसम्बर ● 2021

सीएसए में वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

कानपुर। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के प्रसार निदेशालय में मंगलवार को दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ हुआ। उद्घाटन निदेशालय के समन्वयक डॉ.अरविंद कुमार सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषकों की समस्याओं को पता लगाने, उनका विश्लेषण करने व किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि विज्ञानियों की वैज्ञानिक क्षमता का संवर्धन करना है। कार्यक्रम में 13 कृषि विज्ञान केन्द्रों के 26 वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

उत्तर प्रदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

बसपा के निष्कासित नेताओं को शामिल... 05 | केंद्र को कानून बनाकर करनी चाहिए काशी मथुरा... 10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्ष: 13 | अंक: 64 | मूल्य: ₹3.00/- | पेज : 12

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | लखनऊ | बुधवार | 15 दिसंबर, 2021

वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में मंगलवार को दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में फसल उत्पादन, मृदा विज्ञान एवं कृषि अभियंत्रण के वैज्ञानिकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कराया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में ज्ञान और निर्णय लेने की क्षमता यह अवधारित करती है कि किस प्रकार मृदा, जल और पूंजी का उपयोग किया जाए। किसानों को नवीन तकनीकी देने एवं तकनीकों का प्रसार करने में कृषि वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषको की समस्याओं का पता लगाने और उनका विश्लेषण कर उनकी आय को बढ़ाना है। कार्यक्रम में 13 कृषि विज्ञान केंद्रों के 26 वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में गेहूं वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर सिंह ने गेहूं उत्पादन की नवीन तकनीकों एवं प्रजातियो, डॉ.महक सिंह ने तिलहनी फसलों की तकनीकी पर, डॉ. वी. के. वर्मा ने खरपतवार प्रबंधन तथा आईआईपीआर के वैज्ञानिक डॉ.नरेंद्र कुमार ने दलहन उत्पादन में नई प्रजातियों का योगदान विषय पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षण समन्वयक डॉ.एस.बी. पाल ने किया। इस अवसर पर डॉ.सुभाष चंद्रा, डॉ.धनंजय सिंह, डॉ.अनिल कुमार सिंह,डॉ.एस.एल.वर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक मौजूद रहे।